बर्षः- 06
अंकः- 93
मुरादाबाद
(Thursday)
93 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

# क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का विपक्ष पर हमलाः बोले- छात्रों को राजनीतिक हथियार बनाया जा रहा, संसद में करें चर्चा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर छात्रों को राजनीतिक हथियार बनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार युवाओं के कल्याण और न्याय के लिए प्रतिबद्ध है।

विपक्ष को सड़कों पर हंगामा करने के बजाय संसद के मानसून सत्र में चर्चा करनी चाहिए।संसद के मानसून सत्र के दौरान युवाओं और छात्रों के मुद्दे पर जारी सियासी घमासान के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर जोरदार हमला बोला है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग देश के छात्रों और युवाओं का इस्तेमाल अपने राजनीतिक

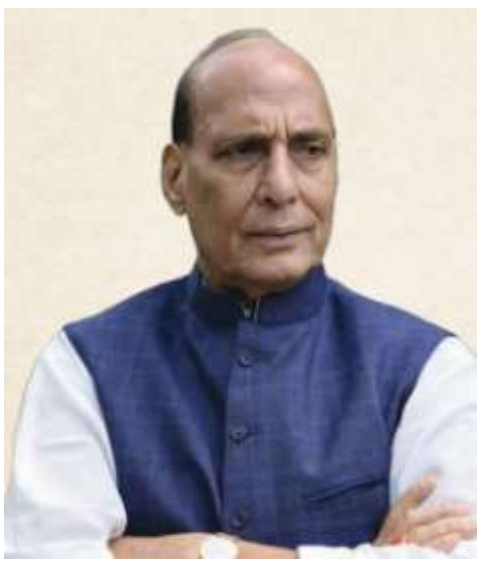

हथियार के रूप में कर रहे हैं। उन्होंने इसे छात्रों को भटकाने का एक असफल प्रयास करार दिया।

राजनाथ सिंह ने विश्वास जताया कि भारत का समझदार युवा इन सभी कोशिशों को अच्छी तरह समझता है और वह विकास तथा राष्ट्र निर्माण का रास्ता ही चुनेगा।युवाओं के कल्याण और न्याय के लिए प्रतिबद्धता- रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार छात्रों और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने तथा उनके कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार युवाओं के प्रति संवेदनशील है और यह सुनिश्चित करेगी कि किसी के साथ, खासकर छात्रों के साथ कोई अन्याय न हो। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के कुछ नेता जनता के बीच बनावटी गुस्सा पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

सड़क पर हंगामे के बजाय संसद में चर्चा की सलाह-संसद के मानसून सत्र का हवाला देते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है। इसके बावजूद विपक्ष संसद के बजाय सड़कों पर समाधान ढूंढने का अनुचित प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष वास्तव में गंभीर है, तो उसे सत्र में हंगामा करने के बजाय सदन के भीतर मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए।सदनों की कार्यवाही स्थगित और विपक्ष का विरोध प्रदर्शन- संसद में मचे हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई, जबकि लोकसभा की कार्यवाही 23 जुलाई सुबह 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले दिन में विपक्षी सांसदों ने सरकार के खिलाफ संसद परिसर में काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रियंका गांधी समेत कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### ममता बनर्जी का केंद्र पर निशाना, कहा- जरूरत पड़ी तो सीजेपी के आंदोलन में शामिल होने दिल्ली जाऊंगी

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वह स्वयं आंदोलन के समर्थन में दिल्ली जाएंगी। उन्होंने केंद्र सरकार पर विरोध की आवाज दबाने और लोकतांत्रिक मूल्यों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। ममता ने कोविड काल की खरीद, धार्मिक आयोजनों और केंद्र की नीतियों को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा।तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने दिल्ली में सीजेपी के संसद मार्च के दौरान छात्रों पर कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो वह सीजेपी के आंदोलन में शामिल होने के लिए दिल्ली जाएंगी। मंगलवार को कोलकाता में टीएमसी की वार्षिक 21 जुलाई शहीद दिवस रैली को संबोधित करते हुए ममता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नीत केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों को दबाने का आरोप लगाया। ममता ने मंगलवार को दिल्ली में हुई झड़पों का जिक्र करते हुए कहा, अगर जरूरत पड़ी तो मैं दिल्ली जाऊंगी और सीजेपी के प्रदर्शन में शामिल होऊंगी। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शनकारी जब संसद परिसर के करीब पहुंचे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कार घुमा ली और वहां से चले गए। हालांकि, ममता ने इस दावे के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया।

## शिक्षा मंत्री बोले- राहुल छात्रों का फायदा उठा रहे, हमें गुस्से से कहीं अधिक करने की जरूरत

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि हमें छात्रों के गुस्से से कहीं अधिक करने की जरूरत है। उन्होंने सीजेपी के आंदोलन और कांग्रेस पार्टी के विरोध प्रदर्शन के बीच प्रतिक्रिया में कहा, राहुल गांधी छात्रों का फायदा उठा रहे हैं। दिल्ली समेत कई शहरों में छात्रों और युवाओं का गुस्सा चरम पर है। इसी बीच शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि राहुल गांधी छात्रों का फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने सरकार की जवाबदेही की तरफ संकेत करते हुए कहा, हमें युवाओं और छात्रों के लिए इनके गुस्से से कहीं अधिक करने की जरूरत है। प्रधान का बयान ऐसे समय में सामने आया है जब दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) और कांग्रेस पार्टी समेत कई दलों के नेता और प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थी सड़कों पर उतर आए हैं। आज प्रधानमंत्री आवास के पास भी प्रदर्शन किया गया। क्या शिक्षा मंत्री के बयान में सरकार के रवैये का संकेत?- प्रधान ने कहा, हमारी सरकार नीट पर चर्चा करने और सदन में हमारे युवाओं की हर सही चिंता को दूर करने के लिए सौ फीसदी प्रतिबद्ध है। भारत के छात्र राजनीतिक अभियान में मोहरा बनने से कहीं बेहतर के हकदार हैं। वे अव्यवस्था के बजाय निश्चितता, नारों के बजाय समाधान और गड़बड़ी के बजाय जिम्मेदारी के हकदार हैं।शिक्षा मंत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा कि सरकार की व्यापक चर्चा की तैयारी के बावजूद कांग्रेस ने लोकतांत्रिक बहस के बजाय राजनीतिक तमाशा चुना। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य छात्रों के लिए समाधान नहीं, बल्कि राजनीतिक सुर्खियों के लिए व्यवधान पैदा करना था। प्रधान ने आगे कहा कि राहुल गांधी

छात्रों के हितों की बात नहीं कर रहे हैं। वे चर्चा का वास्तविक अवसर मिलने के बावजूद टकराव पैदा करने की ताक में हैं। प्रधान ने कांग्रेस और विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर छात्रों का फायदा उठाने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मानसून सत्र के दौरान बाधा उत्पन्न करने के लिए छात्रों का इस्तेमाल राजनीतिक हथकंडे की तरह कर रही है। केंद्रीय मंत्री, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उनसे कहा था कि संसद में पेपर लीक और संबंधित मुद्दों पर चर्चा होने पर विरोध खत्म कर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस मांग पर सहमत हो गई थी। लेकिन राहुल गांधी ने बाद में एक और मांग जोड़ दी थी। शिक्षा मंत्री प्रधान ने भी जितेंद्र सिंह वाली बात दोहराई। कहां से शुरू हुआ गुस्से का इजहार?- गौरतलब है कि मई महीने में हुए नीट पेपर लीक मामले के बाद उपजा जनाक्रोश अब आंदोलन का रुप ले चुका है। सोशल मीडिया पर शुरू हुई मुहिम- कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) अभिजीत दीपके के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। इस आंदोलन को और सुर्खियां तब मिलीं, जब लद्दाख के शिक्षाविद और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने इसे समर्थन दिया। सोनम बीचे 24 दिनों से अनशन कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने उन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जिसके बाद हाईकोर्ट के आदेश पर उन्हें मेदांता में भेजा गया।दरअसल, संसद के मानसून सत्र की शुरुआत सोमवार से हुई। सोनम वांगचुक और सीजेपी के आह्वान पर दिल्ली में बड़ी संख्या में छात्र और युवा संसद मार्च करने सड़कों पर आए। हजारों की भीड़ को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए कई पाबंदियां लगाईं। जनाक्रोश के बीच सुरक्षाबलों ने लाठीचार्ज भी किया। बड़ी संख्या में पुलिस, अर्धसैनिक बल और युवा चोटिल हुए। इसके बाद आज यानी मंगलवार को कांग्रेस पार्टी पीएम आवास का घेराव करने पहुंची। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में नेता प्रधानमंत्री आवास के बाहर जमा हो गए। उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भी आंदोलन का समर्थन किया। पुलिस ने राहुल, प्रियंका समेत तमाम नेताओं को हिरासत में लेने के बाद देर शाम रिहा किया।दिल्ली में प्रदर्शन और छात्रों के आंदोलन पर सियासत क्यों? छात्र आंदोलन और सीजेपी के प्रदर्शन पर सियासी बयानबाजी भी हो रही है। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि राहुल गांधी ने सीजेपी के आंदोलन को कमजोर करने का काम किया है। आम आदमी पार्टी नेता आतिशी और अनुराग ढांढा के बयानों के बीच सीजेपी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 15 साल पुराने बयान की याद दिलाई। पीएम मोदी ने अन्ना हजारे का जिक्र करते हुए 2011 के आंदोलन पर प्रतिक्रिया दी थी।

## मंत्री ओम प्रकाश राजभर बोले- छात्रों की मांग जायज, राहुल-अखिलेश का आंदोलन राजनीति

अंबेडकरनगर जिले के प्रभारी एवं पंचायतीराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि युवाओं की परीक्षा में सुधार संबंधी मांग जायज है लेकिन सपा-कांग्रेस के लोग मामले में राजनीति कर रहे हैं।यूपी सरकार के पंचायतीराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने दिल्ली में नीट अभ्यर्थियों की व्यवस्थाओं में सुधार की मांग को जायज बताया लेकिन राहुल गांधी और अखिलेश यादव के आंदोलन को राजनीतिक करार देते हुए उन पर तीखा हमला बोला। मीडिया से बातचीत में राजभर ने कहा कि छात्रों की मांग उचित है और पेपर लीक नहीं होना चाहिए, लेकिन विपक्ष छात्रों के मुद्दे पर राजनीति कर रहा है। उन्होंने कहा कि छात्र शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगने गए थे लेकिन प्रदर्शन के दौरान देशविरोधी नारे लगाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी, आजाद समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के नेता छात्रों को उकसाने पहुंचे जबकि लाठीचार्ज के समय उन्हें छोड़कर चले गए।ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के शासनकाल में खुलेआम नकल और पेपर लीक होते थे, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाया गया है। उन्होंने दावा किया कि अब नकलविहीन परीक्षाएं हो रही हैं और पेपर लीक के मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर से खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। जल संरक्षण का संदेश भी दिया।उन्होंने कहा कि छात्रों पर लाठीचार्ज का वह समर्थन नहीं करते लेकिन जो लोग छात्रों को भड़काते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

## में अखिलेश ने जताई नाराजगी, कहा- सरकार के साथ कोई डील तो नहीं हो गई

लोकसभा में नीट पेपर लीक और छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर जोरदार हंगामा हुआ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बोलने का मौका न मिलने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और सदन में प्रधानमंत्री के बयान की मांग उठाई।लोकसभा में बुधवार को नीट पेपर लीक और प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर भारी हंगामा हुआ। संसद की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और मामले पर तुरंत चर्चा कराने की मांग रखी। इस दौरान लोकसभा स्पीकर ने कांग्रेस और भाजपा के सदस्यों को अपनी बात रखने का अवसर दिया। इससे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव नाराज हो गए। उन्होंने स्पीकर पर खुद को बोलने का मौका न देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आपने इनको और उनको बोलने का मौका दे दिया, पर हमारा क्या। आपने समझौता कर लिया क्या?सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि यह विषय किसी एक

राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि देश के छात्रों और नौजवानों के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर छात्रों की आवाज नहीं सुनी गई तो हम सड़कों पर उतरेंगे। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर उन्होंने कहा- इस्तीफा तो क्या है, इस्तीफा तो जब चाहेंगे, तब मंत्री से ले लेंगे।

अगर मंत्री सदन में इस्तीफा नहीं देंगे तो सदन के बाहर इस्तीफा ले लेंगे। इसके साथ ही उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों और नेताओं के हाथ तोड़े गए, सिर फोड़े गए और कपड़े फाड़े गए।प्रधानमंत्री के बयान और पीएम आवास दौरे पर बात- अखिलेश यादव ने बताया कि वह और राहुल गांधी मजबूरी में प्रधानमंत्री आवास गए थे। अगर संसद के भीतर उनकी बात सुन ली जाती, तो उन्हें वहां जाने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री संसद के बाहर तो बोल सकते हैं, लेकिन देश के युवाओं के लिए सदन के भीतर आकर क्यों नहीं बोल रहे। अखिलेश से पहले केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने सदन में बोलते हुए कहा, संसद में कोई भी चर्चा तय नियमों और व्यवस्था के तहत ही होती है। रिजिजू ने स्पीकर से अनुरोध किया कि सभी दलों के फ्लोर नेताओं के साथ बातचीत करके चर्चा का नियम, समय और दिन तय किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार नीट और पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दे पर सार्थक चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। चर्चा को तैयार है सरकार- इसके बाद स्पीकर ने सदन में मौजूद सदस्यों से पूछा कि क्या सभी लोगों की बातें मुझ तक पहुंच गई हैं। आप भी चर्चा चाहते हैं और ये भी चर्चा जाते हैं। सरकार चर्चा करने को तैयार है। इसके बाद स्पीकर ने विपक्ष से पूछा कि इस मुद्दे पर कब चर्चा करनी है और कितनी देर चर्चा करनी है।

## शांतिपूर्ण विरोध में क्या गलत?: प्रियंका गांधी का केंद्र पर हमला, कहा- संसद में जो हो रहा वह अलोकतांत्रिक

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने छात्रों के विरोध को जायज बताते हुए कहा कि वे अपने अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं और शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक है। उन्होंने सरकार पर पेपर लीक, शिक्षा बजट और सांसदों के साथ अलोकतांत्रिक व्यवहार का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि छात्रों की मांगें जायज हैं। वे अपने अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में कुछ भी अलोकतांत्रिक नहीं

है। वहीं, उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों और संसद में जो हो रहा है वह अलोकतांत्रिक है। कांग्रेस सांसद ने क्या कहा? - पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, छात्रों का संघर्ष वास्तविक है और वे बदलाव की मांग कर रहे हैं। कागजात बार-बार लीक हो रहे हैं। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि छात्र जायज चिंताएं उठा रहे हैं।फंड के आवंटन पर क्या बोली प्रियंका- उन्होंने फंड के आवंटन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, %हमारे साथ जो हुआ वह अप्रासंगिक है। आप (मीडिया) मुझे बताएं कि छात्रों के साथ जो हुआ वह सही है या गलत? छात्रों की मांगें जायज हैं और वे अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं। शिक्षा का बजट 14 लाख करोड़ रुपये है, लेकिन आप अडानी और अंबानी के 16 लाख करोड़ रुपये के कर्ज माफ कर रहे हैं। क्या है पूरा मामला? - 20 जुलाई को, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने राष्ट्रीय राजधानी में संसद चलो प्रदर्शन किया, जिस पर पुलिस ने कार्रवाई की। विपक्षी नेताओं ने पुलिस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया गया और आंसू गैस के गोले छोड़े गए। काले कपड़े पहनकर किया विरोध- इस बीच, बुधवार को विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में सरकार के खिलाफ काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, प्रियंका गांधी और अन्य नेता इस प्रदर्शन में उपस्थित थे। खरगे ने क्या आरोप लगाया? - कल प्रधानमंत्री निवास के बाहर कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन और पुलिस द्वारा नेताओं की हिरासत के बारे में बोलते हुए कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा के विपक्ष के सांसद मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि सोमवार के मार्च के दौरान भाजपा- आरएसएस के स्वयंसेवक बिना बैज के पुलिस के बीच काम कर रहे थे।

## संपादकीय Editorial

# Street Struggle

We've seen doctors open factories and do business. We've also seen politicians run medical colleges. We've seen fake doctors. Fake candidates have even taken exams. Paper leaks have been frequent, and suicides are linked to mental health. These are not part of any social, political, or professional problem, but we haven't seen youth and student protests erupt over these sensitive issues. This year, more than 1.1 million young people passed the NEET exam, but more than 900,000 of them won't be admitted to any medical course. The reason is, there are just over 136,000 MBBS seats in government and private medical colleges in India. There are also approximately 80,000 seats in BDS, Ayurvedic, Homeopathy, Unani, etc. What kind of system is this that a young person even passes NEET and still can't become a doctor? Will the remaining more than 900,000 successful young people be completely disqualified? So, our youth! Why do you resort to violent protests? These are barren! Suicides are not the solution to this system. Paper leaks began to surface just a few years after India's independence. Even today, the education system remains rife with discrepancies. The Education Minister has been questioned, but how many hunger strikes have taken place? In fact, there is a professional group of agitators, protesters, and troublemakers in the capital, Delhi. Their faces were also seen in Shaheen Bagh, Anna Hazare-Kejriwal protests, the women wrestlers' demonstrations, and the farmers' protests. They are characterized by chanting leftist slogans and playing the drum. This group was also active during Sonam Wangchuk's hunger strike. Who funds them? What connection do slogans like "Modi die," "Shah die," "We will beat Modi," "Article 370," and "Freedom, Freedom" have to the educational inconsistencies and the NEET paper leak? This is the specialized skill of this professional group of troublemakers, their professional training. Last Monday, July 20th, on the very first day of the Parliament session, a mob of thousands of young people within a 1.5-kilometer radius of the Parliament House became so enraged that all the main gates of the Parliament House had to be closed. In addition to thousands of police personnel, paramilitary forces, the Rapid Action Force, and water cannon personnel were deployed on the streets. The issue of national security was immediately brought to the fore. India is undoubtedly the youngest nation. Nearly 65% ??of its population has an average age of 35 years. More than 560 million young people are in the age group of 15-29 years. They are India's strength and future, and therefore their trust must not be broken under any circumstances. But the crowd that wanted to enter the Parliament House was made up of professional faces from the Left parties, the Congress, and the AAP student organizations. How did AAP leaders like Manish Sisodia, Sanjay Singh MP, and the Samajwadi Party mob led by MP Dimple Yadav suddenly take to the streets? This was undoubtedly a political exercise. This so-called hunger strike and "March to Parliament" movement is entirely "political," as their primary demand is the resignation of Education Minister Dharmendra Pradhan. Wangchuk also wishes that various MPs and representatives of political parties visit him in the hospital and assure him of his demands. However, if this was an educational demonstration, then which youth pelted stones, resulting in the injuries of 118 policemen, including five IPS officers? This is not a normal figure. Certainly, more than 60 protesters were also injured. Nearly 70 people have been detained. Throughout this entire turmoil, a name kept popping up that evokes.

# The path of small enterprises will become easier.

Undoubtedly, when MSMEs gain access to quick loans, are freed from inspector raj, and become technologically competent, India's manufacturing and services sectors will gain unprecedented strength. The MSME Bill 2026 will enhance ease of doing business. Pending payments and legal hurdles will be eliminated. Access to credit guarantees and capital will become easier. The government is introducing the "Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) Development (Amendment) Bill 2026" in this session of Parliament. Its primary objective is to streamline policies and regulations for the country's MSMEs in line with the changing global economic landscape. It also aims to enhance ease of doing business, strengthen mechanisms for resolving pending payments, and effectively enforce arbitration decisions for the MSME sector. The bill includes favorable provisions to enable states to establish more Micro and Small Enterprises Facilitation Councils (MSEFCs).

MSMEs play a significant role in the country's economic structure. According to the Economic Survey 2025-26, the number of registered MSMEs in the country exceeds 78.6 million. These industries are spread across remote towns and small cities, enabling balanced regional development. This sector is the second largest source of livelihood in India after agriculture. In a country with a huge population like India, where millions of new youth seek employment every year, these small industries have the potential to employ a large number of people with much less capital than large industries.

Over 328.2 million people are employed through this sector in the country. These industries contribute approximately 31.1 percent to the country's Gross Domestic Product (GDP). This means that approximately one-third of the country's total earnings come from these small factories, shops, and local manufacturing units. These industries contribute approximately 35.4 percent to total manufacturing and approximately 48.58 percent to exports. Our handicrafts, textiles, leather goods, and processed foods are exported globally through these industries.

Despite their significant contribution to the nation's development, entrepreneurs running these small industries face numerous challenges. Among these, working capital and funding constraints are key. Small entrepreneurs have limited assets. They must navigate lengthy and complex processes when obtaining loans from banks, often pushing the industries to the brink of closure due to the lack of timely capital. Stuck funds and delayed payments are also serious problems in this sector. When small industries supply goods to large companies or government departments, they do not receive timely payments.

Lack of cash prevents them from purchasing raw materials or paying employees. Furthermore, a large number of MSMEs face complex legal hurdles and the threat of litigation. Even minor mistakes in accounting, tax filing, or compliance with administrative regulations often lead entrepreneurs to fear legal action, preventing them from operating freely. Modern technology and market competition also pose a significant challenge for MSMEs.

The current era is marked by computers, automation, and AI. Large companies have adequate financial resources for these technologies, while small entrepreneurs are unable to afford expensive technologies. This increases their production costs and prevents them from competing in the market. In light of these challenges, the "MSME Development (Amendment) Bill, 2026" is a far-reaching step. The old rules narrowly defined MSMEs. As business or investment increased, businesses were excluded from this category, and government benefits ceased.

The new amendments have increased investment and turnover limits by 2.5 times and 2 times, respectively. This will allow entrepreneurs to expand their businesses without fear. An official online dispute resolution system and digital arbitration mechanism are being provided with a legal framework to address payment delays. Now, without the hassle of court proceedings, businesses will be able to recover their stuck funds by settling cases digitally within a stipulated timeframe. Human errors, such as delays in filing returns or minor discrepancies in paper records, have been removed from the category of criminal cases, providing a real boost to ease of doing business. Enterprise data is being integrated with central banking systems. This will make it easier for banks to verify customer identification (KYC) and data authenticity, enabling working capital loans to be approved within hours.

The credit guarantee cover limit for micro and small enterprises has been increased from Rs. 5 crore to Rs. 10 crore. The government itself will guarantee loans up to Rs. 10 crore, allowing banks to lend to entrepreneurs without hesitation. Undoubtedly, India's manufacturing and service sectors will receive unprecedented strength when MSMEs receive quick access to credit, are freed from inspector raj, and become technologically empowered.

# Can movements based on nonviolence and Satyagraha stand up to the Modi government?

(Article: Krishna Pratap Singh)

The Narendra Modi government's non-communicative attitude towards the hunger strike and protest by Sonam Wangchuk and Neha, Amin, and Manish of the All India Students Association (AISA) at Jantar Mantar under the banner of the Cockroach Janata Party, demanding justice for unemployed youth and students across the country affected by a series of paper leak cases, and the resignation of Union Education Minister Dharmendra Pradhan, is nothing unexpected when viewed in the light of its policies. This government's track record so far demonstrates that it does not believe in dialogue with any dissent or movement until the situation becomes unbearable. Until then, it maintains an adamant and arrogant attitude, further complicating the situation. Today's (Monday) conversation between BJP President and Union Minister JP Nadda and leaders of the Cockroach Janata Party can be seen in this light.

This dialogue is reminiscent of the numerous rounds of negotiations with farmers protesting against the three highly publicized agricultural laws, which yielded no results. This is because this government is inherently unwilling to accept any version of its protest, whether violent or nonviolent. It harasses those fighting for human rights, calling them "urban Naxals," and it also repeatedly slanders farmers protesting for its own demands. Anyone who takes to the streets to raise their demands is met with lathicharge and bullets. It even erects fortified barricades on the roads to prevent farmers from entering the capital. As this approach grows in age, the question naturally grows: what if this disillusionment among the countrymen, especially the youth, leads them to believe that such struggles are the only way to end their plight? Not only this government and its party, but other political parties and governments should also fear this question. History has recorded many such exploits of other political leaders. To understand the matter clearly, we must first understand that Mahatma Gandhi considered fasting the "last weapon" in the arsenal of non-violence advocates and said that it should be used only when all human ingenuity has failed. Furthermore, its foundation should not be on the victory or defeat of any side, but on self-purification, atonement, restraint, sacrifice, and the establishment of truth. Only then will a fasting person's sacrifice radiate such light that it can enlighten the other side and make them realize the purity of their motives. It is noteworthy that this "last weapon" was used more effectively by revolutionaries than by the Mahatma's followers, who did not at all believe in his principle of non-violence for freedom. For example, revolutionary Yatindradas (Jatindas) was martyred on September 13, 1929, after a long hunger strike in Lahore's Boston Jail, and Manindranath Banerjee on June 20, 1934, in Fatehgarh Jail. Even more disturbing was the martyrdom of revolutionary Mahavir Singh in the Andaman Jail on May 17, 1933. When all efforts to break his hunger strike failed, doctors, with the help of the police, tried to insert a tube through his nose into his stomach to feed him milk, but it entered his lungs. The ruthless doctors did not hesitate to fill his lungs with milk even amidst excruciating pain. Because of these many extraordinary sacrifices, revolutionaries used to taunt Congressmen, saying that revolutionary hunger strikes do not end in compromises, unlike Congress hunger strikes. After independence, it was believed that such life-threatening fasts would no longer be necessary. However, this was not the case, and Bapu himself had to carry forward his fasts from the times of slavery to the independent country. He once fasted when the Indian government was not paying the money owed to Pakistan as per the agreement reached at the time of Partition. To save his life, the government made the payment. However, in subsequent decades, many fasting people were not so fortunate, and many of them, even at the cost of their lives, were unable to bring governments to the right path or achieve their demands. In Jaipur, Rajasthan, social activist and former MLA Gurusharan Chhabra lost his life on November 3, 2015, on the 31st day of a fast that began on Bapu's birth anniversary, demanding a strong Lokpal and prohibition. The government showed little seriousness in protecting her life during these 31 days, despite the fact that during her fast from April 1st to May 15th a year earlier, it had promised to meet her demands within a year. This was a criminal government breach of promise that could not be justified by any ethical or justifiable standards. Yet, no one felt any shame about it. In her struggle against the Armed Forces Special Powers Act in Manipur, human rights activist "Iron Lady" Irom Sharmila Chanu received no reward for her sixteen-year fast—the world's longest. She had to break her fast, having failed. The ruthless governments, which changed several times during that period, never took notice of her fast, which began on November 5th.

# कांग्रेसियों का हंगामा, राहुल गांधी से अभद्रता के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का मांगा इस्तीफा, दिल्ली कूच करने से रोका, कई को पुलिस ने हिरासत में लिया मुरादाबाद में छात्रों और राहुल गांधी के समर्थन में दिल्ली कूच कर रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने रोका। कई नेताओं को हिरासत में लिया गया है।

छात्रों के समर्थन में दिल्ली में चल रहे विरोध प्रदर्शन में शामिल होने और राहुल गांधी के साथ कथित दुर्व्यवहार का विरोध जताने के लिए कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनोद गुंबर के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली रवाना होने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप है कि प्रशासन और पुलिस ने जिले के क्षेत्रों में कई कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को उनके घरों में ही हाउस अरेस्ट कर दिया। कुछ स्थानों पर पुलिस द्वारा घरों के दरवाजे बाहर से बंद करने का भी आरोप लगाया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि घरों से निकलकर जिलाध्यक्ष विनोद गुंबर के नेतृत्व में शांतिपूर्वक पैदल मार्च करते हुए आगे बढ़े।

मार्च के दौरान पुलिस ने उन्हें रोककर हिरासत में लिया और पुलिस चौकी बुध बाजार ले जाकर बैठा दिया।प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली में छात्रों के साथ हो रहे कथित अन्याय के विरोध, राहुल गांधी के साथ हुए कथित पुलिस दुर्व्यवहार के खिलाफ तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनोद गुंबर ने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए संघर्षरत है।

उन्होंने कहा कि छात्रों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक आवाज़ बुलंद करती रहेगी और न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।पुलिस ने जिले की विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में भी नेताओं और कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया। इसके बावजूद बिलारी विधानसभा के वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता व जिला महासचिव इंजी. मुहम्मद अयाज़ एडवोकेट तथा ठाकुरद्वारा नगर अध्यक्ष शमीम चौधरी पुलिस की निगरानी से बचते हुए मुरादाबाद जिला मुख्यालय पहुंच गए। इसके बाद जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में छात्रों के समर्थन में अपना विरोध दर्ज कराया।प्रदर्शन एवं मार्च में शमीम चौधरी अब्दुल्लाह अंसारी, मुहम्मद दीन, मुहम्मद अयाज़ एडवोकेट, नाज़मि गांधी, राजेन्द्र वाल्मीकि, पार्षद कमर सलीम, शमीम चौधरी, पूनम कश्यप, अशरफ चौधरी, इकराम अली, नदीम, आज़म खान, अजय गोपाल रस्तोगी, रूमा, माया, काजल, पलक, अरविंद, ज्योति कश्यप, सचिन सहित कार्यकर्ता शामिल रहे।

# चुनाव में बूथ अध्यक्ष व बूथ कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत

## बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में लिया संगठन की मजबूती का संकल्प

मुरादाबाद में भाजपा के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में सूर्यप्रकाश पाल ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। उन्होंने बूथ अध्यक्षों को पार्टी की असली ताकत बताया। भारतीय जनता पार्टी की ओर से बुधवार को मुरादाबाद देहात विधानसभा के अंतर्गत बूथ अध्यक्ष सम्मेलन रामगंगा विहार स्थित एमआईटी कॉलेज में किया गया।

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सूर्यप्रकाश पाल रहे। जबकि अध्यक्षता भाजपा महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला ने की। कार्यक्रम संयोजक केके मिश्रा रहे, संचालन महानगर मंत्री दीपक चौधरी ने किया।

सम्मेलन की शुरुआत मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि सूर्यप्रकाश पाल ने कहा कि भाजपा देश का सबसे मजबूत एवं अनुशासित संगठन है, जिसकी आधारशिला बूथ स्तर पर कार्य करने वाले समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि बूथ अध्यक्ष, बूथ प्रभारी, शक्ति केंद्र संयोजक, शक्ति केंद्र प्रभारी संगठन की ऐसी सशक्त श्रृंखला हैं, जो पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक गतिविधियों एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करती है। हर चुनाव में बूथ अध्यक्ष एवं बूथ का कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत होता है। उन्होंने सभी बूथ अध्यक्षों से अपने-अपने बूथ को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने का आह्वान किया।अध्यक्षता कर रहे महानगर अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विजय का आधार उसका मजबूत बूथ संगठन है। संगठन की प्रत्येक इकाई यदि पूर्ण सक्रियता एवं समर्पण के साथ कार्य करेगी तो आगामी सभी चुनावों में पार्टी फिर सफलता प्राप्त करेगी। कार्यक्रम संयोजक केके मिश्रा ने सभी बूथ अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प दिलाया। सम्मेलन में महानगर महामंत्री विशाल त्यागी, महामंत्री अमित शर्मा, मंडल अध्यक्ष विपिन प्रजापति, सत्येंद्र सैनी, वीरपाल सिंह, सोमपाल प्रजापति, विशाल रस्तोगी, मीडिया प्रभारी अर्चित गुप्ता, सुमित चौहान, मयंक कश्यप, धर्मेंद्र मिश्रा, सुरेंद्र विश्नोई, विजय वर्मा, रुचि चौधरी, शशि किरन, सुनीता शर्मा, वनीता मल्होत्रा, नीरज वाल्मीकि, मनीष सिंह आदि मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### जौहर यूनिवर्सिटी को ध्वस्तीकरण का नोटिस, सड़क पर उतरेगी सपा; गुरुवार को पहुंचेगा डेलिगेशन

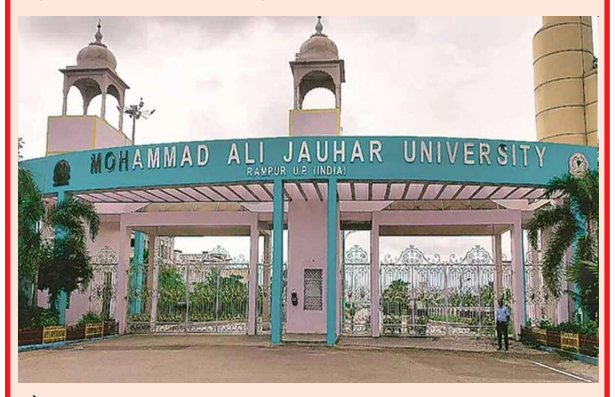


जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर का साया, सड़क पर उतरेगी सपा, रामपुर पहुंचेगा प्रतिनिधिमंडल रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी को ध्वस्तीकरण नोटिस मिलने के बाद सपा ने आंदोलन की तैयारी कर ली है। गुरुवार को सपा का प्रतिनिधिमंडल रामपुर पहुंचेगा। रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी पर ध्वस्तीकरण की तलवार लटक गई है। प्रशासन की ओर से यूनिवर्सिटी को ध्वस्तीकरण का नोटिस जारी किए जाने के बाद रामपुर से लेकर लखनऊ तक सियासी पारा एकदम से चढ़ गया है। इस कार्रवाई के विरोध में अब समाजवादी पार्टी (सपा) ने आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है और वह सड़क पर संघर्ष का रास्ता चुनती नजर आ रही है। सपा ने तैयार किया प्रतिनिधिमंडल, गुरुवार को पहुंचेगा रामपुर- जौहर यूनिवर्सिटी पर मंडरा रहे इस संकट को देखते हुए समाजवादी पार्टी पूरी तरह से मुखर हो गई है। पार्टी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष प्रतिनिधिमंडल तय किया है। यह प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को रामपुर पहुंचेगा और यूनिवर्सिटी का दौरा करने के साथ-साथ आगे की रणनीति पर विचार करेगा। माना जा रहा है कि सपा इस मुद्दे पर बड़ा विरोध-प्रदर्शन कर सकती है।यूनिवर्सिटी बचाने के लिए छात्रों ने खोला मोर्चा, धरने पर बैठे-यूनिवर्सिटी पर ध्वस्तीकरण की सुगबुगाहट के बीच वहां पढ़ रहे छात्रों में भारी रोष व्याप्त है। ध्वस्तीकरण की संभावित कार्रवाई के विरोध में यूनिवर्सिटी के छात्र पहले से ही परिसर में धरने पर बैठे हुए हैं। छात्रों का कहना है कि यह शिक्षण संस्थान उनके भविष्य से जुड़ा है और इसे इस तरह की कार्रवाई का निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। गुरुवार को सपा प्रतिनिधिमंडल के रामपुर पहुंचने के बाद यह तय माना जा रहा है कि पार्टी इस मुद्दे को लेकर कोई बड़ा आंदोलन खड़ा कर सकती है। इस पूरे घटनाक्रम को देखते हुए स्थानीय प्रशासन भी कानून-व्यवस्था को लेकर पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। को लेकर अलर्ट मोड पर आ गया है।

## डीएम कार्यालय पर गरजे किसान, एडीएम को सौंपा ज्ञापन

# किसानों ने भारत-अमेरिका कृषि समझौते के विरोध में आंबेडकर पार्क से कलेक्ट्रेट तक निकाला जुलूस

किसानों से जुड़ी समस्याओं को दूर करने की मांग, मांगें पूरी न होने पर दी बड़े आंदोलन की चेतावनीसिविल लाइंस स्थित आंबेडकर पार्क में मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष घनेंद्र शर्मा के नेतृत्व में किसान एकत्र हुए। किसानों ने भारत-अमेरिका कृषि समझौते का विरोध करते हुए, यूरिया एवं एन पी के खाद समय से उपलब्ध न होने, बिजली के बढ़े हुए बिलों में कमी किए जाने, गन्ने का मूल्य 500 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किए जाने तथा बकाया गन्ना भुगतान तत्काल कराए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। दो से तीन दिन में मांगें न माने जाने की दशा में किसानों व्यापक स्तर पर आंदोलन की चेतावनी दी। किसान मंगलवार को जुलूस निकाल कर कलक्ट्रेट पहुंचे। किसानों ने यहां दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक शांतिपूर्ण धरना दिया। इसके बाद अपनी मांगों का ज्ञापन एडीएम (फाइनेंस) एवं एसडीएम को सौंपा। उन्होंने कहा कि सभी मुद्दों को जिलाधिकारी के समक्ष रखा जाएगा।

धरना-प्रदर्शन में जिले के सभी आठ ब्लॉक अध्यक्ष, चारों तहसील अध्यक्ष, जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।सभा को राष्ट्रीय सचिव डॉ. नौ सिंह ढिल्लों, प्रदेश महासचिव डॉ. चरण सिंह, पश्चिमी उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी ऋषिपाल सिंह, जिला अध्यक्ष घनेंद्र शर्मा, मनोज चौधरी, हरीराज सिंह, विकास यादव, रणजीत सिंह यादव, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष चौधरी समरपाल सिंह, चौधरी नागेंद्र सिंह, चौधरी भयराज सिंह, शुभम राठी, जिला युवा अध्यक्ष चौधरी ऋषभ, जयवीर सिंह, सुदेश सिंह, यशपाल सिंह, वीरेंद्र सिंह, सुमित चौहान, माखन सिंह, अजय पाल, राधेश्याम और महानगर अध्यक्ष पंकज चौधरी सहित कई पदाधिकारियों ने संबोधित किया। चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर किसानों की मांगों का समाधान नहीं किया गया, तो संगठन व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होगा।

# जौहर यूनिवर्सिटी को ध्वस्त करने के बजाय सरकार खुद चलाए, BJP नेता ने कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

भाजपा नेता फसाहत अली खान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंडलायुक्त से मुलाकात कर जौहर विश्वविद्यालय को ध्वस्त करने के बजाय सरकार द्वारा संचालित करने की मांग की।मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को लेकर चल रही कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई के बीच मंगलवार को नया मोड़ आ गया।

भाजपा नेता एवं आजम खां के पूर्व मीडिया प्रभारी फसाहत अली खान उर्फ शानू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह से मुलाकात कर विश्वविद्यालय को ध्वस्त करने के बजाए उत्तर प्रदेश सरकार से अपने अधीन लेकर संचालित किए जाने की मांग की।प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यदि संस्थान से जुड़ी किसी प्रकार की वित्तीय या प्रशासनिक अनियमितताएं हुई हैं तो उसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन हजारों छात्रों के भविष्य और शिक्षा के केंद्र को खत्म करना किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता।ज्ञापन में कहा गया कि जौहर विश्वविद्यालय में हजारों छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी और अन्य स्टाफ वर्षों से यहां अपनी सेवाएं दे रहे हैं, यदि विश्वविद्यालय के भवनों को ध्वस्त किया जाता है या संस्थान का अस्तित्व समाप्त होता है, तो इसका सबसे बड़ा खामियाजा उन विद्यार्थियों को भुगतना पड़ेगा, जिनका भविष्य इस विश्वविद्यालय से जुड़ा है।इसके साथ ही सैकड़ों परिवारों की आजीविका भी प्रभावित होगी। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि सरकार यदि विश्वविद्यालय का अधिग्रहण कर उसका संचालन अपने हाथ में ले ले, तो एक ओर शिक्षा व्यवस्था निर्बाध रूप से चलती रहेगी और दूसरी ओर सार्वजनिक संसाधनों से निर्मित परिसंपत्तियां भी सुरक्षित रह सकेंगी।

उनका कहना था कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान की पहचान केवल उसकी इमारतों से नहीं, बल्कि वहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों और शिक्षा के वातावरण से होती है। इसलिए जनहित को ध्यान में रखते हुए ऐसा निर्णय लिया जाना चाहिए जिससे कानून का पालन भी हो और छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित न हो। फसाहत अली खान उर्फ शानू ने कहा कि यदि विश्वविद्यालय के संचालन में किसी स्तर पर अनियमितताएं हुई हैं तो दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन पूरे संस्थान को समाप्त कर देना न्यायसंगत नहीं होगा।उन्होंने कहा कि इस परिसर में लगा वैध अथवा अवैध धन अंततः सार्वजनिक संसाधनों और जनता की मेहनत से जुड़ा है। ऐसे में सरकार को इसे शिक्षा के हित में संरक्षित कर उपयोग में लाना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि देश के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय निजी प्रयासों से शुरू हुए, लेकिन बाद में राष्ट्रीय महत्व के संस्थान बन गए। इसी भावना के साथ उन्होंने मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट से भी अपील की कि वह विश्वविद्यालय को सरकार के नाम दान करने पर विचार करे, ताकि यह संस्थान हमेशा के लिए सुरक्षित रह सके।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मदन मोहन मालवीय और सर सैयद अहमद खां ने अपने संस्थानों को राष्ट्रहित में समर्पित करने की मिसाल पेश की थी, उसी तरह आजम खां भी जेल से ही विश्वविद्यालय को सरकार को सौंपने की घोषणा करें तो यह शिक्षा जगत के लिए एक ऐतिहासिक कदम होगा।

मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की बात ध्यानपूर्वक सुनी और आश्वासन दिया कि उनका ज्ञापन शासन को भेजा जाएगा, ताकि सरकार स्तर पर इस संबंध में उचित निर्णय लिया जा सके। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि सरकार ऐसा फैसला करेगी जिसमें कानून का सम्मान भी बना रहे और हजारों विद्यार्थियों का भविष्य भी सुरक्षित रह सके।

प्रतिनिधिमंडल में यह रहे मौजूद- मंडलायुक्त से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में भाजपा नेता फसाहत अली खान उर्फ शानू के अलावा इरशाद महमूद, शमी खान, मजहर अली हनीफ, मोहम्मद हरवेल, दानिश शाकिर, असलम अमर, सैयद अली फैसल, शकील अहमद, अफसर अहमद, यूनुस खान, मौलाना आलिम, जाहिद खान, मोहम्मद फरमान, जलाल खान, जहीर, उलमद खान और सुहैब शम्सी आदि शामिल थे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

## बरेली में डिप्टी सीएम की समीक्षा बैठक , अधूरी परियोजनाओं पर अफसरों से किया जवाब-तलब

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिले की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में अफसरों की कार्यशैली का कड़ा परीक्षण किया। बैठक में कानून-व्यवस्था, विकास कार्यों, राजस्व मामलों और शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में सरकार की 37 प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, बजट व्यय, निर्धारित लक्ष्य और लाभार्थियों की स्थिति का विस्तृत आकलन किया गया।

वहीं समय सीमा के बावजूद अधूरी पड़ी विकास परियोजनाओं पर संबंधित अधिकारियों से जवाब-तलब करते हुए उन्हें तय समय में कार्य पूरा करने के सख्त निर्देश दिए गए।

समीक्षा के दौरान आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना और कन्या सुमंगला योजना समेत सभी प्रमुख योजनाओं की प्रगति पर विशेष फोकस रहा।

इसके साथ ही जनवरी 2026 से उपमुख्यमंत्री कार्यालय में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की भी विभागवार समीक्षा की गई। लंबित मामलों पर अधिकारियों से जवाब मांगा गया और स्पष्ट संकेत दिए गए कि शिकायतों के निस्तारण या विकास कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित विभागों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है। बैठक में जन प्रतिनिधि, महापौर, जिला अधिकारी एसएसपी अनुराग आर्य सहित प्रशासन के अधिकारीगण और सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

## खाद संकट और स्मार्ट मीटर पर कांग्रेस का हल्ला बोल, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। किसानों को समय पर यूरिया और डीएपी खाद उपलब्ध कराने तथा स्मार्ट मीटर के कारण बढ़े बिजली बिलों से राहत दिलाने की मांग को लेकर बुधवार को महानगर कांग्रेस कमेटी ने जोरदार विरोध दर्ज कराया। महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपते हुए किसानों और आम उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान की मांग की।

ज्ञापन का वाचन कांग्रेस प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने किया। इस दौरान दिनेश दद्दा ने आरोप लगाया कि प्रदेश और देश की जनता खाद संकट, महंगी बिजली और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर लगातार परेशान है, लेकिन सरकार जनहित के प्रति गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि खाद की किल्लत, स्मार्ट मीटर से बढ़े बिजली बिल और बार-बार होने वाले पेपर लीक जैसे मामलों में सरकार पूरी तरह विफल रही है।

पूर्व विधायक मास्टर छोटेलाल गंगवार ने सरकार पर भ्रष्टाचार और जनविरोधी नीतियों का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों पर सरकार जवाब देने से बच रही है। वहीं महानगर महामंत्री देवेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार केवल पूंजीपतियों के हितों की रक्षा कर रही है, जबकि किसान, गरीब, मध्यम वर्ग और आम उपभोक्ता लगातार परेशान हैं।

कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन में किसानों को पर्याप्त मात्रा में यूरिया और डीएपी खाद उपलब्ध कराने, स्मार्ट मीटरों के कारण बढ़े बिजली बिलों की निष्पक्ष जांच कराने तथा उपभोक्ताओं को राहत देने की मांग की। इस मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

## संक्षिप्त समाचार

### 22 जुलाई से खुला छात्रवृत्ति पोर्टल, ओबीसी छात्र समय रहते करें आवेदन

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग को छोड़कर) के छात्र-छात्राओं के लिए वित्तीय वर्ष एवं शैक्षिक सत्र 2026-27 की दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि शासन द्वारा आवेदन से लेकर सत्यापन और छात्रवृत्ति वितरण तक की पूरी समय-सारिणी जारी कर दी गई है। विद्यार्थी निर्धारित तिथियों के भीतर https://scholarship.up.gov.in पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। वहीं शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों और संबंधित विभागों को भी समयबद्ध तरीके से सत्यापन एवं अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ समय पर मिल सके। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने सभी पात्र छात्र-छात्राओं से अपील की है कि अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते ऑनलाइन आवेदन पूरा करें ।

### 25 जुलाई को तहसील सदर में लगेगा महिला जनसुनवाई शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। महिलाओं की समस्याओं के त्वरित समाधान और उन्हें न्याय दिलाने के उद्देश्य से 25 जुलाई 2026, शनिवार को पूर्वाह्न 11:00 बजे तहसील सदर सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या श्रीमती पुष्पा पाण्डेय की अध्यक्षता में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस जनसुनवाई में महिलाएं अपनी घरेलू, पारिवारिक, उत्पीड़न, संपत्ति, दहेज, भरण-पोषण अथवा अन्य किसी भी प्रकार की समस्या सीधे राज्य महिला आयोग की सदस्या के समक्ष रख सकेंगी। संबंधित विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में शिकायतों के निस्तारण की कार्रवाई भी की जाएगी। जिला प्रशासन ने जनपद की सभी महिलाओं एवं आमजन से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर तहसील सदर सभागार पहुंचकर अपनी शिकायतें प्रस्तुत करें और जनसुनवाई कार्यक्रम का लाभ उठाएं। यह कार्यक्रम महिलाओं को त्वरित न्याय और उनकी समस्याओं के प्रभावी समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

## कोतवाली समीप ओवरटेक के विवाद में , रोडवेज चालक और ई-रिक्शा चालक में मारपीट

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। शहर के सबसे व्यस्त इलाके कोतवाली के पास बुधवार को मैदान ए जंग बन गया, ओवरटेक को लेकर रोडवेज बस चालक और ई-रिक्शा चालक के बीच हुआ मामूली विवाद से बढ़कर मरने मारने पर उतारू हो गये। सबसे हैरान कर देने वाली बात यह रही कि पुलिस की मौजूदगी में बीच सड़क पर एक-दूसरे पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया । प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रोडवेज बस पुराने बस अड्डे से नवल्टी चौराहे की ओर जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आए ई-रिक्शा को ओवरटेक करने के दौरान दोनों चालकों के बीच कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया और बीच सड़क पर जाम की स्थिति बन गई , जिससे यातायात भी बाधित हो गया। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि घटनास्थल पर पुलिसकर्मी मौजूद होने के बावजूद तत्काल प्रभावी हस्तक्षेप नहीं कर सके। वीडियो में पुलिसकर्मी खुद को बचाते हुए पीछे हटते दिखाई दे रहे हैं, जबकि दोनों चालक सड़क पर एक-दूसरे पर लगातार वार करते रहे। आखिरकार आसपास मौजूद लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए बीच-बचाव किया और दोनों को अलग कराया।

## पारिवारिक विवाद में दुष्कर्म का आरोप, एसएसपी ने दिए जांच के आदेश

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र का एक पारिवारिक विवाद अब पुलिस के उच्चाधिकारियों तक पहुंच गया है। एक महिला द्वारा अपने जेठ पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगाए जाने के बाद उसकी सास ने पूरे मामले को झूठा बताते हुए बहू पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छोटी बिहार निवासी सावित्री देवी का कहना है कि उनकी छोटी बहू का अपने बहनोई से लंबे समय से प्रेम संबंध है और वह उसी संबंध को बनाए रखने के लिए परिवार पर दबाव बनाने की नीयत से झूठा मुकदमा दर्ज कराना चाहती है। उनका आरोप है कि घटना के समय जिस जेठ पर आरोप लगाया गया, वह अपनी पत्नी और बेटी के साथ कमरे में सो रहा था।सावित्री देवी का यह भी कहना है कि मंगलवार को वह अपने बेटे आकाश के साथ थाना इज्जतनगर पहुंचीं, लेकिन उनकी शिकायत पर कोई प्रभावी सुनवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि पुलिस समझौते का दबाव बना रही थी।

इसके बाद महिला अपने परिवार के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंची और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा न्याय दिलाने की मांग की। शिकायत के आधार पर एसएसपी अनुराग आर्य ने निष्पक्ष जांच के आदेश दिए।

## डिप्टी सीएम बोले दिल्ली में छात्रों के आंदोलन में घुसे थे गुंडे विपक्षी दलों पर साधा निशाना

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नीट पेपर लीक विवाद को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी पर छात्रों को ढाल बनाकर राजनीतिक लाभ लेने का आरोप लगाया। मौर्य ने कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष इससे भाग रहा है। दिल्ली में हुए लाठीचार्ज के सवाल पर कहा कि छात्रों के आंदोलन में गुंडे घुस गए थे। कानून व्यवस्था बिगाड़ेंगे तो कार्रवाई होगी। बुधवार को बरेली पहुंचे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रेसवार्ता करते हुए समाजवादी पार्टी पर शिक्षा के मामले में बोलने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सपा सरकार ने कल्याण सिंह सरकार द्वारा लागू नकल अध्यादेश वापस ले लिया था। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नीट पेपर में सेंध लगाने की कोशिश हुई थी, जिस पर कड़ी कार्रवाई जारी है। उन्होंने बताया कि नीट दोबारा सफलतापूर्वक आयोजित की गई और छात्र इससे संतुष्ट हैं। हालांकि, विपक्ष इस मुद्दे पर राजनीति कर रहा है। छात्रों के आंदोलन में गुंडे घुस गए थे- मौर्य उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार शांतिपूर्ण आंदोलन का स्वागत करती है। लेकिन आंदोलन की आड़ में कानून व्यवस्था बिगाड़ने या पुलिस पर हमला करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस, सपा और आम आदमी पार्टी के गुंडे आंदोलन में घुस गए। इन दलों ने छात्रों के कंधे पर बंदूक रखकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकी हैं। मौर्य ने कहा कि देश का युवा इसका जवाब आगामी चुनाव में देगा। %बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं% केशव प्रसाद मौर्य ने दोहराया कि सरकार मासूमों पर लाठीचार्ज नहीं करती है। सरकार बच्चों के भविष्य के लिए प्रतिबद्ध होकर काम करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मासूम बच्चों की आड़ में गुंडे और माफिया पुलिस पर हमला करेंगे, तो पुलिस जवाब देगी। मौर्य ने कहा कि सरकार बच्चों के साथ थी, और हमेशा रहेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

## साइबर पुलिस ने 118 करोड़ के जीएसटी रैकेट का किया पर्दाफाश, फर्जी दस्तावेजों का जखीरा बरामद दो आरोपी गिरफ्त में

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। साइबर क्राइम पुलिस और एसआईटी जीएसटी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी और अस्तित्वहीन फर्मों के जरिए करीब 118 करोड़ रुपये के फर्जी कारोबार का खुलासा किया है। गिरोह पर फर्जी जीएसटी और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) क्लेम कर सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने गिरोह के दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से फर्जी आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, लैपटॉप, मोबाइल फोन, चेकबुक, करोड़ों रुपये के लेनदेन से जुड़े दस्तावेज और कई फर्जी फर्मों के रिकॉर्ड बरामद हुए। जांच में सामने आया कि गिरोह विभिन्न राज्यों में फर्जी फर्में और बैंक खाते खुलवाकर सर्कुलर ट्रेडिंग के माध्यम से अवैध तरीके से रकम निकालता था। पुलिस के अनुसार बरामद दस्तावेजों की जांच में अब तक करीब एक दर्जन फर्जी फर्मों के जरिए 118 करोड़ रुपये से अधिक का फर्जी टर्नओवर सामने आया है। इस पूरे नेटवर्क में हवाला कारोबारियों और डिजिटल वॉलेट प्लेटफॉर्म का भी इस्तेमाल किए जाने के संकेत मिले हैं। मामले की जांच जारी है और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। इस उल्लेखनीय सफलता पर एसएसपी अनुराग आर्य ने गिरफ्तारी करने वाली टीम को 25 हजार रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

## मासिक बैठक में शिक्षा व्यवस्था की हुई समीक्षा, छात्रों की पढ़ाई और सुरक्षा पर दिया जोर

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। विकासखंड भदपुरा के बीआरसी केंद्र क्योलड़िया में बुधवार को खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार न प्रधानाध्यापकों की मासिक बैठक लेकर विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने यू-डाइस, प्रेरणा, निपुण प्लस और शारदा पोर्टल को समय पर अपडेट करने, संचारी रोगों के प्रति जागरूकता अभियान चलाने, इको क्लब गतिविधियों, स्मार्ट क्लास संचालन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पर विशेष जोर दिया। एआरपी अरुण कुमार ने शिक्षक संदर्शिका के प्रभावी उपयोग, अग्निशमन यंत्रों को सक्रिय रखने, बाल वाटिका व स्कूल रेडीनेस कार्यक्रमों के नियमित संचालन तथा निर्धारित समय में पाठ्यक्रम पूरा कराने के निर्देश दिए। बैठक में न्याय पंचायतों के प्रधानाध्यापकों सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

## पर्दे के पीछे छिपा चोर, मकान मालिक ने पुलिस से बुलाकर पकड़वाया

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। इज्जत नगर इलाके में एक चोर घर में घुसकर माल समेट रहा था। इसी दौरान गृहस्वामी पहुंच गए। चोर उनको देखकर पर्दे के पीछे छिप गया। इसकी भनक लगने पर गृहस्वामी ने पुलिस बुला ली। पुलिस ने चोर को गिरफ्तार कर लिया। इज्जतनगर थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। सनसिटी विस्तार कॉलोनी निवासी सोमेश कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 20 जुलाई को वह घर से दफ्तर गए थे। शाम को वापस आकर देखा तो रसोईघर की जाली निकली हुई थी। घर का सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी और बक्से खुले हुए थे। चोर घर के अंदर था जो सोमेश को देखकर पर्दे के पीछे छिप गया। सोमेश ने तत्काल 112 पर पुलिस को सूचना दी।

# हर विधानसभा में खुलेगी कृषि यंत्र किराये की दुकान, छोटे किसानों को मिलेगा आधुनिक खेती का लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर कृषक कल्याण वर्ष-2026 के अंतर्गत प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में कम से कम एक कृषि यंत्र किराये की दुकान स्थापित की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य छोटे एवं सीमांत किसानों को कम लागत पर आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराकर खेती को अधिक लाभकारी और तकनीक आधारित बनाना है।

प्रदेश में वर्तमान में 5,260 कृषि यंत्र किराये केन्द्र संचालित हैं। सरकार ने हर वर्ष 1,060 नए कृषि यंत्र किराये केन्द्र स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिससे किसानों को खेत की तैयारी, बुवाई और अन्य कृषि कार्यों के लिए आधुनिक उपकरण आसानी से उपलब्ध हो सकें।

सरकार का कहना है कि इस योजना से छोटे किसानों को महंगे कृषि यंत्र खरीदने की आवश्यकता नहीं होगी। वे न्यूनतम सेवा शुल्क पर आवश्यक उपकरण किराये पर लेकर आधुनिक तकनीक का लाभ उठा सकेंगे। साथ ही युवाओं को कृषि यंत्र सेवा केन्द्र स्थापित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

इस बीच, विदिशा जिला कृषि यंत्र निर्माण के क्षेत्र में प्रदेश का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। यहां करीब 150 कृषि उपकरण निर्माण इकाइयां संचालित हैं, जहां ग्रेडर, लेवलर, हाइड्रोलिक ट्रॉली, कल्टीवेटर, प्लाऊ सहित विभिन्न कृषि यंत्र तैयार किए जा रहे हैं। यहां निर्मित उपकरणों की मांग न केवल देश के कई राज्यों में है, बल्कि मेडागास्कर, नाइजीरिया, सूडान, यूगांडा, घाना, अल्जीरिया, संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश सहित कई देशों में भी निर्यात की जा रही है।

स्थानीय उद्यमियों ने बताया कि राज्य सरकार की नीतियों और सहयोग से कृषि यंत्र निर्माण उद्योग को विस्तार मिला है। इससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा हुए हैं और प्रदेश कृषि यंत्र निर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

# छात्रों की गूंज में गरजी कांग्रेस, पेपर लीक पर केंद्र सरकार घिरी, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की उठी मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो /बरेली। रोटरी भवन में आयोजित छात्रों की गूंज कार्यक्रम में पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार आवाज बुलंद की।

कार्यक्रम में एनएसयूआई के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक नदीम जावेद मुख्य अतिथि रहे, जबकि संचालन पश्चिम उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पारस शुक्ला ने किया। पारस शुक्ला ने कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक से करोड़ों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस मुद्दे पर संघर्ष जारी रखेगी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई। मुख्य अतिथि नदीम जावेद ने भी सरकार पर शिक्षा व्यवस्था, पेपर लीक और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर विफल रहने का आरोप लगाया। कार्यक्रम में मौजूद छात्र-युवाओं ने एक स्वर में संकल्प लिया कि अब पेपर लीक बर्दाश्त नहीं होगा। कार्यक्रम में कांग्रेस और एनएसयूआई के कई पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में छात्र-युवा मौजूद रहे।

# महिला आयोग की मा0 सदस्या अवनी सिंह ने सुनी महिलाओ की समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायूँ उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा0 सदस्या अवनी सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को पी0डब्लू0डी गेस्ट हाउस में महिला जनसुनवाई तथा ब्लॉक वजीरगंज में जागरुकता चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें भूमि विवाद 01 व अतिरिक्त विवाह घरेलू हिंसा सम्बन्धित 05 सहित कुल 06 शिकायती प्रार्थना पत्र जनसुनवाई के अन्तर्गत प्राप्त हुये। जिसमें मा0 सदस्या द्वारा उनकी समस्याओं को सुनकर निस्तारण व समस्याओं के गुणवत्तापरक व समयबद्ध समाधान किये जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

मा0 सदस्या अवनी सिंह ने कहा कि महिलाएं अपने ऊपर हो रहे किसी भी प्रकार के अत्याचार को बर्दाश्त न करें। महिला आयोग महिलाओं की समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रत्येक समय उनके साथ खड़ा है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं से संबंधित शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक लेते हुए गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराएं।

जागरुकता चौपाल में आयी महिलाओं को मा0 सदस्या द्वारा महिला सुरक्षा के सम्बंध में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों व किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी

तथा महिलाओं को सरकार की विभिन्न लाभार्थीपरक व अन्य योजनाओं का लाभ अपना आर्थिक व सामाजिक उत्थान करने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि महिलाएं सबल बनकर समाज में और बेहतर कार्य कर सकती हैं।

सदस्या द्वारा बताया गया कि महिला संबंधी किसी भी शिकायत को टोल फ्री नंबर 18001805220 तथा व्हॉट्सएप नंबर 6306511708 पर भी किया जा सकता है। मा0 सदस्या द्वारा ब्लॉक वजीरगंज में आयोजित जागरुकता चौपाल में गर्भधात्री महिलाओं की गोदभराई व बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी किया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक नोडल अधिकारी अंजुम बी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी शैली गोविल, जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक अधिकारी, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी, संरक्षण अधिकारी छवि वैश्य, जिला मिशन समन्वयक, प्रतिक्षा मिश्रा सेन्टर मैनेजर, प्रीति चौहान, डोली आदि उपस्थित रहें।

# पीएम सूर्यघर योजना की समीक्षा बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायूं जिलाधिकारी अवनीश राय के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की समीक्षा बैठक बुधवार को विकास भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक में परियोजना अधिकारी नेडा ने मुख्य विकास अधिकारी को विभिन्न बैंकों में लंबित ऋण पत्रावलियों की स्थिति से अवगत कराया।

परियोजना अधिकारी नेडा ने बताया कि पंजाब नेशनल बैंक में 312, भारतीय स्टेट बैंक में 219, बैंक ऑफ बड़ौदा में 197, प्रथमा बैंक में 51, केनरा बैंक में 10, यूनियन बैंक में 17, इंडियन बैंक में 14, बैंक ऑफ इंडिया में 9, सेंट्रल बैंक में 14, बैंक ऑफ महाराष्ट्र में 3, एचडीएफसी बैंक में 3, यूको बैंक में 6, पंजाब एंड सिंध बैंक में 1 तथा सोलफिन में 1 सहित कुल 857 ऋण पत्रावलियां लंबित हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत लंबित सभी ऋण पत्रावलियों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के भीतर उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ समय से प्राप्त हो सके।

बैठक के दौरान विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पंजीकृत वेंडरों की सभी समस्याओं का तीन दिन के भीतर प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे योजना के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

इस अवसर पर परियोजना अधिकारी नेडा, विद्युत विभाग के अधिकारी, अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम), भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा सहित विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक एवं शाखा प्रबंधक तथा जनपद के पंजीकृत वेंडर्स आदि मौजूद रहे।

## 41 साल के वैवाहिक रिश्ते में दरार: बुजुर्ग पति बोला-गालीगलौज कर पत्नी जूतों से पीटती है, ष्ठरूसे न्याय की गुहार

जिलाधिकारी के जनता दर्शन में एक बुजुर्ग अपनी पत्नी की शिकायत लेकर पहुंचा और न्याय की गुहार लगाई।जिलाधिकारी के जनता दर्शन में बुधवार को एक ऐसा मामला सामने आया, जिसने वहां मौजूद लोगों को भी हैरान कर दिया। 41 वर्षों से वैवाहिक जीवन बिता रहे एक बुजुर्ग ने अपनी पत्नी पर मारपीट, गाली-गलौज और जूतों से पीटकर अपमानित करने का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़ित ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर उसे सुरक्षा और न्याय दिलाने की मांग की है। बुजुर्ग ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना-पत्र में बताया कि उसने जीवनभर मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण किया। खेत बेचकर मकान बनवाया, बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाई और तीनों बेटों की शादी भी कराई। इतना ही नहीं, उसने अपनी पत्नी के नाम पर जमीन भी खरीदी, लेकिन अब वही पत्नी उसके साथ दुर्व्यवहार कर रही है। पीड़ित का आरोप है कि उसकी पत्नी आए दिन उससे गाली-गलौज करती है और कई बार जूतों से भी मारपीट कर चुकी है।उसने कहा कि बुढ़ापे में उसे सम्मान और सहारे की उम्मीद थी, लेकिन उसे प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है। इससे उसका मानसिक और शारीरिक रूप से जीवन प्रभावित हो रहा है। जनता दर्शन में मामला सामने आने के बाद जिलाधिकारी ने इसे गंभीरता से लेते हुए प्रकरण को प्रोबेशन विभाग को दिया है। उन्होंने अधिकारियों को मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

# भूजल सप्ताह के तहत पहाड़पुर में रैली निकालकर बताया जल संरक्षण का महत्व

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायूँ भूमि संरक्षण इकाई (कृषि विभाग) के तत्वाधान में बुधवार को ग्राम पहाड़पुर विकास खण्ड अम्बियापुर में भूजल सप्ताह के तहत रैली निकाली गई तथा सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

भूमि संरक्षण अनुभाग के अवर अभियन्ता पूरन सिंह द्वारा द्वारा संचालित की जा रही खेत-तालाब योजना के बारे में कृषकों को विस्तृत जानकारी दी गयी। भूजल संरक्षण हेतु रेन वॉटर हारवेस्टिंग के लाभ से अवगत कराते हुये अपने छतो एवं घरों पर स्थापित करने हेतु प्रेरित किया गया।कार्यक्रम के दौरान राहुल कुमार एवं देवेन्द्रपाल सिंह द्वारा भूमि संरक्षण इकाई स्तर पर संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं के महत्वों के बारे में बताया गया तथा उनका लाभ प्राप्त करने हेतु अनुरोध किया गया। रैली में ग्राम प्रधान पहाड़पुर एंव क्षेत्र पंचायत सदस्य पहाड़पुर भी उपस्थित रहे। उनके द्वारा भूमि संरक्षण अनुभाग के माध्यम से कराये गये कार्यों की प्रशंसा करते हुये ग्रामीणों को भूजल संरक्षण का महत्व बताया गया साथ ही ग्रामीणें को जल संरक्षण किये जाने हेतु प्रोत्साहित किया।इस अवसर पर ग्राम प्रधान पहाड़पुर, अवर अभियन्ता पूरन सिंह, वीरेश कुमार, देवेन्द्रपाल सिंह एंव राहुल कुमार व ग्रामवासी मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### बरेली में छात्रा ने फंदे से लटककर दी जान

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र में नौवीं कक्षा की छात्रा ने मंगलवार रात अपने घर में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर शव नीचे उतारा और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। छात्रा ने यह कदम होटल में प्रेमी संग पकड़े जाने और उसके फोटो-वीडियो वायरल होने से आहत होकर उठाया। एक संगठन के कार्यकर्ताओं ने छात्रा और उसके प्रेमी के फोटो वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाले थे। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार को छात्रा अपने दूसरे समुदाय के प्रेमी और उसके दोस्त के साथ एक होटल में गई थी। प्रेमी का दोस्त कमरे के बाहर निगरानी कर रहा था। सूचना मिलने पर एक संगठन के कार्यकर्ता होटल पहुंचे और हंगामा किया। प्रेमी जोड़े के भागने के दौरान कार्यकर्ताओं ने उनके फोटो और वीडियो बना लिए। इन फोटो और वीडियो को बाद में सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। संगठन कार्यकर्ताओं ने प्रेमी के दोस्त को पकड़कर इज्जतनगर थाना पुलिस को सौंप दिया। वीडियो वायरल होने से छात्रा बहुत आहत थी, जिसके बाद उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। छात्रा की आत्महत्या की सूचना पर बिथरी थाना प्रभारी राजेश बाबू और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर छात्रा का शव बरामद किया। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले में प्रेमी और उसके दोस्त के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। साथ ही, छात्रा का वीडियो वायरल करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की संभावना है। पुलिस परिजनों से तहरीर मिलने का इंतजार कर रही है।

### एप पर पंजीकरण कराएं श्रमिक, घर बैठे मिलेगा लेबर का काम

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। निर्माण श्रमिकों को श्रम विभाग की योजनाओं का लाभ मुहैया कराने के लिए बुधवार को राजेंद्र नगर स्थित लेबर अड्डे पर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना समेत अन्य की जानकारी दी गई। उप श्रमायुक्त अनुराग मिश्रा ने बताया कि डिजिटल लेबर एप से पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और सेवायोजकों का ऑनलाइन पंजीकरण होगा। इससे सेवायोजकों को निर्माण श्रमिकों की जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलेगी। श्रमिकों को लेबर अड्डे के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

### मेरठ थप्पड़ कांड: एसएसपी अविनाश पांडे समेत 50 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एससी/एसटी कोर्ट में याचिका, ये लगाए आरोप

कलक्ट्रेट पर दलित समाज के लोगों ने बीए की छात्रा हत्याकांड को लेकर प्रदर्शन किया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और अधिवक्ता रवि गौतम को बंदी वाहन में थप्पड़ मारने के वीडियो वायरल हुए थे। इसी मामले में अधिवक्ता अनिल प्रधान की ओर से याचिका दाखिल की गई है।अधिवक्ता अनिल कुमार प्रधान ने मेरठ की एससी-एसटी कोर्ट में एसएसपी अविनाश पांडे, एसपी देहात अभिजीत कुमार समेत 50 पुलिसकर्मियों के खिलाफ याचिका दाखिल की है, जिसकी सुनवाई तीन अगस्त को होगी। आरोप है कि बीए की छात्रा हत्याकांड मामले में 8 जुलाई को कलक्ट्रेट गेट पर प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया गया था। एसएसपी अविनाश पांडे ने प्रदर्शनकारियों और बंदी वाहन में अधिवक्ता रवि गौतम को थप्पड़ मारे थे। अधिवक्ता अनिल कुमार प्रधान ने बताया कि बीए की छात्रा की हत्या के मामले में कलक्ट्रेट पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जा रहा था। मेरठ की पुलिस ने बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की, दलितों का उत्पीड़न और गालीगलौज की गई। इस संबंध में डीआईजी, गृह सचिव आदि को तहरीर देकर मांग की थी कि दोषियों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही गलत धाराएं लगाकर जेल भेजे गए बेकसूरों को रिहा कराया जाए। अनिल प्रधान का कहना है कि अब एसएसपी मेरठ अविनाश पांडे, एसपी देहात अभिजीत कुमार समेत 50 पुलिसकर्मियों के खिलाफ हम कोर्ट गए हैं। तीन अगस्त की तारीख लगी है, जिस पर हम बहस करेंगे। न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट भी जाना पड़ा, तो जाएंगे। ये है मामला- रोहटा में दलित छात्रा ललिता गौतम का शव मिला था। पुलिस आरोपी को जेल भेज दिया था, लेकिन परिजनों का कहना था कि इस मामले में अन्य लोग भी आरोपी हैं, जिन्हें जेल भेजा जाएगा।गिरफ्तारी की मांग को लेकर दलित समाज के लोगों ने आठ जुलाई को कलक्ट्रेट पर हंगामा किया था। करीब तीन घंटे तक चले धरने प्रदर्शन के बाद मौके पर पहुंचे एसएसपी अविनाश पांडेय ने धरना खत्म कराने का प्रयास किया मगर ग्रामीण नहीं माने। बाद में पुलिस ने लाठियां फटकार कर जाम खुलवाया।

# भाजपा किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं में सोनिया गांधी राहुल गांधी प्रियंका गांधी के पुतले दहन किये

क्यूँ न लिखूँ सच/ लवकुश ठाकुर /अलीगढ़ भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय नेता पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा धनीपुर मंडल के संयोजक भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह के नेता नेतृत्व में राहुल गांधी सोनिया गांधी प्रियंका गांधी के पुतले दहन किया इंडिया गठबंधन को आड़े हाथों लिया प्रधानमंत्री आवास के आसपास कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया अनुशासनहीनता की छात्रों को भड़काया गुंडो को भड़काया शरारती तत्वों को भड़काया उसके विरोध में भाजपा किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया इंडिया गठबंधन के नेता मुर्दाबाद राहुल गांधी मुर्दाबाद सोनिया गांधी मुर्दाबाद प्रियंका गांधी मुर्दाबाद के जमकर नारे लगाए भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने आरोप लगाया है कि दिल्ली में जो भी हिंसक वारदात हुई उसके पीछे कांग्रेस एवं विरोधी दलों के नेताओं का हाथ है सरकार को बदनाम करने की साजिश रची है विरोधी दलों के नेता नाकाम साबित हुए उनकी पोल खुल गई देश की जनता सभी टीवी चैनलों पर देख रही है कांग्रेस सपा इंडिया गठबंधन के सभी नेताओं की जमकर आलोचना की उनके खिलाफ प्रदर्शन किया

# सीएम योगी के संभावित जालौन दौरे की तैयारियां तेज, कमिश्नर-आईजी ने संभाला मोर्चा

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 25 जुलाई को जालौन दौरे की संभावनाओं के बीच जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं।झांसी मंडल के कमिश्नर विमल कुमार दुबे और आईजी आकाश कुलहरि ने उरई पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का गहन निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, मंच व्यवस्था और अन्य तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने संभावित दौरे के दौरान उरई में नवनिर्मित सदर तहसील भवन का लोकार्पण कर सकते हैं। इसके साथ ही जिले को कई अन्य विकास परियोजनाओं और योजनाओं की सौगात मिलने की भी संभावना जताई जा रही है।मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर पहले नवीन मंडी स्थल पर तैयारियां की जा रही थीं, लेकिन अब कार्यक्रम स्थल में बदलाव करते हुए इंदिरा स्टेडियम, उरई में भव्य पंडाल तैयार किया जा रहा है। प्रशासनिक अमला लगातार व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है। निगाहें 25 जुलाई पर टिकी हैं, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित दौरे के साथ जालौन को विकास की नई सौगात मिलने की उम्मीद है।

# विदिशा में हाट-बाजार के हर छोटे व्यवसायी को मिलेगा मुद्रा लोन, कलेक्टर अंशुल गुप्ता की अनूठी पहल

क्यूँ न लिखूँ सच/हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा जिले में स्वरोजगार को बढ़ावा देने तथा छोटे व्यापारियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने एक अभिनव पहल की है। उनके निर्देश पर जिले के सभी साप्ताहिक हाट-बाजारों में लघु व्यवसाय करने वाले प्रत्येक पात्र व्यवसायी को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत शत-प्रतिशत बैंक ऋण उपलब्ध कराने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इस पहल के तहत प्रशासन, बैंकिंग संस्थान एवं संबंधित विभागों के समन्वय से पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें शीघ्र ऋण स्वीकृत कराया जाएगा। कलेक्टर श्री गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले के प्रत्येक हाट-बाजार का सर्वे कर छोटे व्यापारियों, फेरीवालों, सब्जी एवं फल विक्रेताओं, किराना, कपड़ा, घरेलू उपयोग की वस्तुओं, हस्तशिल्प एवं अन्य लघु व्यवसाय करने वाले सभी पात्र व्यक्तियों का पंजीयन किया जाए। इसके बाद बैंकवार सूची तैयार कर उन्हें प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकें और आत्मनिर्भर बन सकें।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के पात्र नागरिकों को व्यवसाय की आवश्यकता के अनुसार न्यूनतम 50 हजार रुपये से लेकर अधिकतम 20 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करने का प्रावधान है। इस योजना के माध्यम से नए व्यवसाय प्रारंभ करने के साथ-साथ पहले से संचालित व्यवसाय को भी आधुनिक स्वरूप देने और विस्तार करने में सहायता मिलेगी।

जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि जिले के किसी भी हाट-बाजार का पात्र व्यवसायी बैंक ऋण की सुविधा से वंचित न रहे। इसके लिए बैंक अधिकारियों, नगर निकायों, जनपद पंचायतों एवं संबंधित विभागों को अभियान चलाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। शिविरों के माध्यम से आवेदन भरवाए जाएंगे तथा आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति कराते हुए समयबद्ध तरीके से ऋण स्वीकृत कराया जाएगा।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि छोटे व्यवसायी स्थानीय अर्थव्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं। उन्हें आसान वित्तीय सहायता उपलब्ध होने से न केवल उनका व्यवसाय बढ़ेगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे और जिले की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। यह पहल आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करने के साथ-साथ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के छोटे व्यापारियों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

# मथुरा प्रसाद महाविद्यालय के डा सुरेंद्र सिंह बने प्राचार्य

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन)। नगर क्षेत्र की सबसे प्राचीन उच्च शिक्षण संस्था मथुरा प्रसाद महा विद्यालय कोंच की प्रबंध समिति ने महाविद्यालय में कार्यरत एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुरेंद्र सिंह को वरिष्ठता क्रम के आधार पर कार्यवाहक प्राचार्य पद पर नियुक्त किया है। डॉ. सुरेंद्र सिंह एसोसिएट प्रोफेसर इतिहास के पद पर वर्ष 2010 से यहां कालेज में कार्यरत है।महाविद्यालय की प्रबंध समिति के प्रबंधक डॉ. केदारनाथ निरंजन मंत्री ओम शंकर अग्रवाल एडवोकेट कोषाध्यक्ष शिव कुमार निरंजन ने डॉ. सुरेंद्र सिंह को विधिवत कार्यभार ग्रहण कराया। कार्य भार ग्रहण करने के बाद नव नियुक्त कार्यवाहक प्राचार्य ने स्टाफ के साथ बैठक कर छात्र छात्राओं को उच्च शिक्षा एवं महाविद्यालय की प्रगति पर चर्चा की। डॉ. सुरेंद्र सिंह ने बताया है कि वरिष्ठता क्रम के अधार पर उन्हें महाविद्यालय का प्राचार्य बनाया गया है। उन्होंने कहा, सभी के सहयोग से महा विद्यालय के विकास के साथ साथ छात्र छात्रा ओं को बेहतर शिक्षा देने का पूरा प्रयास किया जाएगा।उन्होंने कहा कि यदि महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राओं की यदि कोई समस्या है तो उसका तत्काल समाधान किया जाएगा इस दौरान महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ राघवेन्द्र सिंह डॉ. ओमप्रकाश यादव महेंद्र नाथ मिश्रा, विजय विक्रम सिंह सुधीर अवस्थी हरिश्चंद्र तिवारी भूपेंद्र त्रिपाठी, बड़े बाबू सुनील कुमार निरंजन, राजेश अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

# नगर पालिका चेयरमैन प्रदीप गुप्ता ने राम कुंड इलाके का निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ नगर में साफ सफाई और रोशनी की अच्छी व्यवस्था के निर्देश दिये चेयरमैन ने सफाई व्यवस्था में किसी प्रकार की कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी प्रदीप गुप्ता कोंच(जालौन)। आज नगर पालिका परिषद के चेयरमैन प्रदीप गुप्ता ने नगर के मंडी गेट के सामने स्थित राम कुंड कालोनी का निरीक्षण किया और उन्होंने पालिका के सफाई व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियो को मौके पर बुला कर निर्देश दिये कि नगर का कोई भी इलाका को गंदगी नहीं दिखना चाहिए इस समय बरसात चल रही है इसलिए नाला नालियों की विशेष साफ सफाई करवाई जावे बरसात का पानी सही तरह से निकलना चाहिए कही भी जल भराव नहीं होना चाहिए नगर पालिका चेयरमैन प्रदीप गुप्ता ने कहा कि यह नगर आपका है और आप इस नगर को सुंदर स्वच्छ बनाने में अपना सहयोग दे उन्होंने कहा कि कोई भी नागरिक सड़क पर कूड़ा आदि न फेंके अपने अपने घरों का निकलने वाला कूड़ा कचरा एक निर्धारित कूड़ा दान में ही डाले नगर में अगर कही कोई समस्या हो तो वह आपके द्वार पर हाजिर मिलेंगे इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के सफाई लिपिक जीवन लाल ठेकेदार मयंक मोहन गुप्ता समाजसेवी महावीर गुप्ता विनोद दुबे अंकित यादव सभासद अशोक गुर्जर राजा गुप्ता सहित कई लोग मौजूद रहे।

# आईजी अरविंद कुमार सक्सेना ने शिवपुरी में की समीक्षा नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। प्रदेशव्यापी %नशे से दूरी है जरूरी 2.0% अभियान के तहत पुलिस महानिरीक्षक, ग्वालियर जोन अरविंद कुमार सक्सेना ने मंगलवार को शिवपुरी पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया, पुलिस अधिकारियों एवं पत्रकारों के साथ बैठक कर अभियान की समीक्षा की।

बैठक में आईजी ने शिवपुरी पुलिस द्वारा अभियान के अंतर्गत अब तक किए गए जागरूकता कार्यक्रमों और गतिविधियों के वीडियो देखे तथा अभियान को और प्रभावी बनाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए थाना स्तर पर अधिक से अधिक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं तथा मीडिया के माध्यम से अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ सकें।

आईजी श्री सक्सेना ने कहा कि विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और आमजन से संवाद स्थापित किया जाए। नशे के दुष्प्रभावों पर आधारित प्रेरक वीडियो प्रदर्शित कर युवाओं को जागरूक किया जाए। साथ ही सेलिब्रिटी, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के माध्यम से भी नशामुक्ति का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाया जाए।

उन्होंने बताया कि शिवपुरी जिले से होकर गुजरने वाला एबी रोड अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी के लिहाज से संवेदनशील है। तस्कर अक्सर कैरियर के माध्यम से नशीले पदार्थों की आपूर्ति करते हैं। इस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस द्वारा संवेदनशील स्थानों की पहचान कर सप्लाई चेन को तोड़ने की कार्रवाई की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक जिले में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 विशेष जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा युवाओं को नशे की लत से बचाकर स्वस्थ, सुरक्षित और जागरूक समाज का निर्माण करना है।

## आगरा में दर्दनाक हादसा: नहाते समय पानी से भरे गड्ढे में डूबे दो छात्र, दोनों की मौत; गांव में मची चीख पुकार

यूपी के आगरा जिले में बुधवार को दर्दनाक हादसा हुआ। गर्मी के चलते पानी से भरे गड्ढे में नहाने गए दो छात्र डूब गए। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए। किशोरों को पानी से बाहर निकाला, तब तक दोनों की मौत हो गई। आगरा के थाना किरावली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम रायभा के पास पानी से भरे पहाड़ के गड्ढे में नहाने गए दो किशोरों की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद से क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। रायभा स्थित लॉर्ड शिवा स्कूल में पढ़ने वाले कक्षा 9वीं-10वीं के पांच छात्रों ने धनौली और नगला मंशा के बीच स्थित पहाड़ के जमा पानी में नहाने का प्लान बनाया था। बुधवार को स्कूल की छुट्टी के बाद या मध्य में पांचों दोस्त पहाड़ के पास पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पांच दोस्तों में से दो छात्र पानी में नहाने के लिए उतरे, जबकि बाकी तीन छात्र बाहर खड़े होकर देखते रहे। गहराई का अंदाजा न होने के कारण एक छात्र अचानक पानी में डूबने लगा। अपने साथी को डूबता देख दूसरा छात्र उसे बचाने के लिए आगे बढ़ा, लेकिन पानी गहरा होने के कारण वह भी संतुलन खो बैठा और दोनों डूब गए। दो साथियों को डूबता देख बाहर खड़े छोटे बच्चे घबरा गए और डर के मारे मौके से भाग निकले। इसके बाद आसपास के लोगों और तैराकी जानने वाले स्थानीय युवाओं को सूचना दी गई। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। स्थानीय गोताखोरों और ग्रामीणों की मदद से दोनों किशोरों को पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। आनन-फानन में दोनों को सीएचसी ले जाया गया। डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतक छात्रों की पहचान करन उम्र 17 वर्ष पुत्र रामेन्दर निवासी मगुरा व देवमोहन उम्र 16 वर्ष पुत्र ईश्वरी प्रसाद शर्मा निवासी नगला मंशा के रूप में हुई है।

## संक्षिप्त समाचार

# CCSU दीक्षांत समारोह: राज्यपाल का युवाओं को संदेश-नौकरी खोजने के बजाय रोजगार सृजन पर दें जोर

मेरठ में सीसीएसयू के 38वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने युवाओं से नौकरी खोजने के बजाय रोजगार देने वाला बनने का आह्वान किया। उन्होंने कौशल, नवाचार और अनुसंधान पर जोर दिया।चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि युवा केवल नौकरी पाने की सोच तक सीमित न रहें, बल्कि उद्यमिता, नवाचार और कौशल के माध्यम से रोजगार देने वाले बनें। कक्षाओं में लिखा जाता है देश का भविष्य- राज्यपाल ने कहा कि भारत में इंजीनियरिंग, डिजाइन और तकनीकी क्षमता की कोई कमी नहीं है। जरूरत युवाओं की प्रतिभा को सही दिशा देने की है। किसी भी राज्य का भविष्य उसकी सीमाओं में नहीं, बल्कि उसकी कक्षाओं में लिखा जाता है।उन्होंने कहा कि किसी देश की वास्तविक शक्ति उसके शस्त्रागारों में नहीं, बल्कि उसकी प्रयोगशालाओं में जन्म लेती है। किसी राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति उसके खनिज भंडार नहीं, बल्कि युवा प्रतिभा, जिज्ञासा और वैज्ञानिक सोच होती है।भविष्य की जरूरतों के अनुसार कौशल सीखें युवा- राज्यपाल ने बताया कि केंद्र सरकार ने 15 हजार माध्यमिक विद्यालयों में चलचित्र निर्माण, दृश्य प्रभाव, खेल निर्माण और चित्रकथा से जुड़े आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र विकसित करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से ऐसे कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक इस क्षेत्र में लगभग 20 लाख पेशेवरों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य है। ऐसे में विद्यार्थियों को भविष्य की जरूरतों के अनुसार नए कौशल सीखने होंगे। शिक्षा को रोजगार और उद्योग से जोड़ने पर जोर- आनंदीबेन पटेल ने बताया कि शिक्षा को रोजगार और उद्योग से जोड़ने के उद्देश्य से 'शिक्षा से रोजगार और उद्यम' विषय पर उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ रोजगार और उद्यमिता के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा, शोध और स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए निजी क्षेत्र के सहयोग से आठ क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्र स्थापित किए जाने की योजना का भी उल्लेख किया।अनुसंधान और विज्ञान में आगे बढ़े भारत- राज्यपाल ने कहा कि भारत को अनुसंधान के क्षेत्र में और मजबूत बनने की आवश्यकता है। वैज्ञानिक अनुसंधान ही जैव प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और आधुनिक क्षेत्रों में प्रगति का आधार है। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश अंतरिक्ष विज्ञान में नई ऊंचाइयां छू रहा है। गगनयान देश का पहला मानव अंतरिक्ष अभियान है, जिसके माध्यम से भारतीय वैज्ञानिक मानव को अंतरिक्ष में भेजने के सपने को साकार करने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार को अपने जीवन का हिस्सा बनाने और देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

# बहराइच में बड़ा हादसा, मां-बेटी पर गिरा फर्राटा पंखा, करंट लगने से दोनों की तड़प-तड़पकर मौत

बहराइच के ऊंचगांव में फर्राटा पंखा गिरने से उसमें उतरे करंट की चपेट में आकर मां और सात वर्षीय बेटी की मौत हो गई। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं शिवदास गांव में करंट से एक युवती झुलस गई। ऊंचगांव में बुधवार दोपहर में घर में चारपाई पर सो रही मां-बेटी पर अचानक चलता हुआ फर्राटा पंखा गिर पड़ा। इससे पंखे में दौड़ रहे करंट की चपेट में मां-बेटी आ गईं।

परिजन उन्हें तत्काल सीएचसी रमपुरवा ले गए, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

गांव निवासी गुड्डी सिंह (38) अपनी बेटी प्रिया सिंह (7) के साथ घर में चारपाई पर सो रही थीं। गर्मी से राहत के लिए पास में फर्राटा पंखा लगा रखा था। इसी दौरान पंखा अचानक असंतुलित होकर उनके ऊपर गिर गया। पंखे में करंट उतरने के कारण मां-बेटी गंभीर रूप से झुलस गईं। चीख-पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और बिजली का कनेक्शन बंद कर दोनों को पंखे से अलग किया।

गंभीर हालत में दोनों को रमपुरवा सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार गंगवार ने बताया कि मामले की जांच कर रही है।

प्रेस में उतरे करंट से युवती झुलसी- शिवदास गांव में मंगलवार देर शाम कपड़े प्रेस करते समय करंट लगने से रेनू सिंह गंभीर रूप से झुलस गईं। परिजनों ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरदा में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार युवती की हालत फिलहाल स्थिर है।

# Small in appearance, but huge in benefits! Sesame seeds provide more calcium than milk; eating them daily offers numerous benefits.

**Sesame seeds, despite being small, are a treasure trove of nutrition. They contain more calcium than milk, making them extremely beneficial for bones. Sesame seeds may appear small, but they are a treasure trove of nutrition. Sesame seeds have been used in India for centuries, whether for food or as an Ayurvedic medicine. Sesame seeds are known for their flavor and health benefits. They not only provide our bodies with essential nutrients but also help fight many diseases. Let's learn how including sesame seeds in your daily diet can be beneficial for you. Benefits of Eating Sesame Seeds Daily - A Boon for Calcium and Bones - Sesame seeds are an excellent source of calcium. Calcium is essential for strengthening bones and teeth. Regular consumption of sesame seeds helps maintain strong bones and reduces the risk of problems like osteoporosis. Sesame seeds are especially beneficial for children and the elderly. Supports Heart Health - Sesame seeds contain polyunsaturated fatty acids and sesamolin, which are beneficial for heart health. They regulate cholesterol and reduce the risk of heart attack and stroke by reducing the accumulation of fat in the arteries. Antioxidant Powerhouse - Sesame seeds are rich in antioxidants, which reduce free radicals in the body. This slows down the aging process, promotes glowing skin, and reduces the risk of serious diseases like cancer. Helps in Digestion and Weight Management - Sesame seeds are rich in fiber, which helps maintain a healthy digestive system. This relieves constipation and keeps you feeling full for longer, which helps in weight management. Beneficial for Hair and Skin - Sesame oil is like nectar for hair and skin. It strengthens hair, eliminates dryness, and reduces hair fall. It is also beneficial for the skin. Diabetes and Blood Sugar Control - Sesame seeds contain a good amount of magnesium, which helps in controlling blood sugar levels. It's also a safe and beneficial option for diabetics. Helps reduce stress - The zinc and magnesium in sesame seeds help reduce stress and anxiety. They improve sleep quality and keep the mind calm. Sesame seeds are easy to incorporate into your diet. They can be added to salads, smoothies, porridge, laddus, or rotis. Eating sesame seeds regularly will not only nourish your body but also help protect you from disease.**

# Skip tea, coffee will keep your heart healthy! Drinking five cups daily can reduce the risk of heart attack.

**According to new research, up to five cups of coffee per day is considered safe, but the high caffeine content in energy drinks can be harmful. Recently, new research on coffee consumption has revealed that, if consumed in appropriate amounts, it may be beneficial rather than detrimental to health, particularly in the case of heart health. It has been reported that drinking five cups of coffee per day—up to 400 mg of caffeine, or five cups—is safe for most adults. Researchers stated that this may be associated with a reduced risk of cardiovascular disease. They also cautioned that high caffeine intake can have harmful effects on the heart and should be avoided. Caffeine in energy drinks is harmful—High levels of caffeine in energy drinks can increase the risk of high blood pressure or irregular heartbeat. Scientists at the University of California, San Francisco, said that consuming caffeinated coffee without added sugar, flavorings, or cream is associated with a reduced risk of type 2 diabetes, heart disease, stroke, heart failure, and certain irregular heart rhythms. The researchers noted that shots of energy drinks can contain 40–69 mg of caffeine per fluid ounce, which is 3–4 times more than a typical caffeinated coffee. Caffeine in coffee is metabolized by the liver and reaches peak concentrations within an hour for most people. However, how quickly individuals process caffeine depends on their genetics, metabolism, and age. The research team added that more research is needed to understand the effects of caffeine on the body, including how caffeine affects heart health.**

# Why is memory loss occurring as early as 20? A doctor explained the reason on World Brain Day.

**Forgetting small things has become increasingly common among young people these days, largely due to increased screen time and decreased sleep. Does it happen that your phone is in your pocket but you're frantically searching for it, or that you got up to do something but can't remember what you were supposed to do? If so, you're not alone. Forgetting small things has become quite common even among young people in their 20s and 30s. While occasional forgetfulness is normal, if it's a recurring occurrence, you should be cautious. While this isn't necessarily a sign of a serious illness, certainly a sign of a deteriorating lifestyle. On the occasion of World Brain Day, let's learn from Dr. Aditya Gupta (Director, Neurosurgery and Cyberknife, Artemis Hospital, Gurugram) why memory loss is on the rise among young people. Screen time and insufficient sleep are the biggest enemies. The biggest contributors to memory loss are hours spent on smartphones and insufficient sleep. Hours of scrolling through social media, watching short videos, or constantly switching from one app to another shorten our attention span. This easily distracts the mind and reduces our ability to remember things. Similarly, lack of sleep also impacts the brain. Staying up late, not having a fixed bedtime, and sleeping less than 7-8 hours doesn't give our brain time to reset. These factors are also contributing to memory loss among young people. Stress, eating habits, and a deteriorating lifestyle put young people under immense pressure due to studies, career, finances, and relationships. This increases stress hormones, which reduce the ability to focus. This makes it difficult for the brain to concentrate, making it difficult to remember things. Furthermore, eating junk food, drinking carbonated and sweetened drinks, lack of water, lack of exercise, and addictions like smoking and alcohol also affect memory. A deficiency in certain nutrients can also lead to memory loss. Vitamin B12 and Vitamin D are essential for brain health. Low levels of these can also lead to memory loss. How can you improve it? The best part is that this situation can be reversed, and you just need to make some lifestyle changes. Get at least 7 to 9 hours of deep sleep every day. To achieve this, set a bedtime and turn off your phone and all other screens at least an hour before bedtime. You need to change your habit of being glued to your phone all day. Establish a screen time where you won't look at social media for extended periods, or schedule a 1-2 hour screen break each day, where you can walk outside in the park or listen to music. Additionally, improving your diet is essential. Include foods like whole grains, fruits, vegetables, pulses, eggs, milk, and fish in your diet. Drink 7-8 glasses of water daily and exercise regularly. Meditate to improve your brain's ability to focus. When should you consult a doctor? If your forgetfulness becomes severe enough to interfere with your daily activities, or if your forgetfulness is accompanied by changes in behavior, don't ignore it. Consult a doctor immediately so you can receive timely treatment.**

# Have laptops and phones worsened your neck? These exercises will relieve stiffness in minutes.

**Neck stiffness, caused by excessive use of mobile phones and laptops, and poor posture, is a common problem these days. Simple and regular exercises like neck side stretches and chin tucks can provide relief from this pain without medication. Working on mobile phones and laptops for long periods of time, sitting in poor posture, and a stressful lifestyle have become the biggest causes of neck stiffness. Feeling a stiff neck upon waking, pain when moving, or a heavy head are common problems. However, the good news is that by adopting some simple and regular exercises, neck stiffness can be relieved without medication. These exercises relax the muscles, increase blood circulation, and improve neck flexibility. Let's learn some simple exercises to relieve neck stiffness. Exercises to relieve neck stiffness Neck Side Stretch - Sit or stand up straight. Slowly tilt your head to the right, as if trying to touch your ear to your shoulder. Hold this position for 10-15 seconds and then return. Repeat the same process on the left side. This stretches the side muscles of the neck and reduces stiffness. Chin Tuck Exercise - Keep your back and neck straight. Gently pull your chin inward, as if creating a double chin. Hold for 5-10 seconds and then relax. Repeat 8-10 times. This exercise helps correct poor posture and reduce neck pain. Neck Rotation - Slowly turn your head to the right, then bring it forward and rotate it to the left. Make a complete circle, but do not make any jerky movements. Do 5-6 clockwise and 5-6 counterclockwise movements. This reduces stiffness and makes the movement smoother. Shoulder Shrugs - Lift your shoulders up toward your ears and hold for 5 seconds, then slowly release them. Repeat this 10-12 times. This exercise releases tension accumulated in the neck and shoulders. Neck Forward and Backward Bend - Slowly bend your head forward until your chin touches your chest. Hold for 10 seconds. Then, tilt your head slightly back and look up at the sky. Hold for another 10 seconds. This helps increase neck flexibility. Cat-Cow Stretch - Sit on all fours. Inhale, lift your neck up and slightly bend your back down (Cow Pose). Exhale, lower your neck and round your back. Do this 8-10 times. This relaxes the entire spine and neck. Precautions - Always perform the exercises slowly, avoiding jerks. Doing these exercises for 10-15 minutes daily yields better results. It's also important to sit in proper posture, keep the screen at eye level, and take frequent breaks.**

# Kaylee Hottle has passed away at the age of 18. She played a key role in Godzilla vs. Kong.

**Famous Hollywood child artist Kaylee Hottle has passed away at the age of 18. Hollywood actress Kaylee Hottle died in a car accident. She was famous for this movie.** Heartbreaking news is emerging from Hollywood cinema. The industry's renowned child artist, Kaylee Hottle, has passed away unexpectedly. It is reported that Kaylee Hottle died in a car accident at the young age of 18. The news has cast a pall of gloom over the film industry, leaving everyone heartbroken. Let's explore this matter in more detail: Kaylee Hottle is no more. The tragic news of Kaylee Hottle's death has been officially confirmed by her father, Joshua Hottle, who shared the news in an emotional ASL livestream. Hailing from a wealthy family, Hottle was known for her powerful screen presence. She established a distinct identity in Hollywood at a very young age. Regarding the events surrounding Kelly Hottle's death, it is reported that on Tuesday, July 21st, she was traveling by car and was involved in a horrific accident in Maryland, resulting in her death. The news of the passing of such a talented actress has shocked everyone. Regarding Kelly Hottle's acting career, she made her impressive film debut playing the role of Jia in the MonsterVerse blockbuster "Godzilla vs. Kong" (2021). She will next be seen playing a key role in "Godzilla x Kong: The New Empire" (2024). Hottle was deaf in real life. You may be surprised to learn that Kelly Hottle was born deaf. Her acting and use of American Sign Language (ASL) in films provided significant representation of the deaf community to audiences worldwide. Coming from a family that was four generations deaf, Hottle was known for her powerful screen presence and her on-screen bond with King Kong. She established herself in Hollywood at a very young age.



# Spider-Man's journey turns emotional, features a scuffle with the Hulk, and a powerful trailer for "Brand New Day" has been released.

**The final trailer for Marvel Studios' upcoming offering, Spider-Man: Brand New Day, has been released ahead of its release. Spider-Man: Brand New Day will release on this day.** Everyone is waiting for Tom Holland's film. If there's one Hollywood film that Indian moviegoers are eagerly awaiting, it's Spider-Man: Brand New Day. There's tremendous excitement among Indian audiences for this next offering from the Marvel Cinematic Universe (MCU). Ahead of the release of "Spider-Man: Brand New Day," the makers have released its final trailer, which showcases the emotional story of Peter Parker's personal journey, along with the action adventure. Let's take a look at the latest trailer for Spider-Man: Brand New Day - The Final Trailer of Spider-Man: Brand New Day Revealed. As the release date of Spider-Man: Brand New Day approaches, the makers appear to be in full preparation for this Tom Holland-starrer superhero film. Just days before the release, the makers have released the final trailer for Spider-Man: Brand New Day, shared on the Hollywood movie's official X handle. In Spider-Man: Brand New Day, it's clear that Peter Parker is deeply emotional about his lost friend, lost love, and new identity. His own people don't recognize him, which breaks his heart. As the trailer progresses, Spider-Man is seen fighting his new enemy. He also faces a scuffle with the Hulk. Furthermore, the focus of this Spider-Man: Brand New Day trailer is on the closeness between Peter Parker and his girlfriend, MJ, who has forgotten him. Overall, this final trailer of Spider-Man: Brand New Day is a blast, and after watching it, the excitement of the fans for this movie has reached the seventh sky. When will Spider-Man: Brand New Day be released? Talking about the release date of Spider-Man: Brand New Day, this Tom Holland starrer will be released in theaters worldwide on July 31, while in India it will enter theaters a day earlier. Advance bookings for the film have already opened many days ago.




# A sequence you've never seen before in cinema's 100-year history, Shah Rukh Khan is making elaborate preparations for "King."

**Superstar Shah Rukh Khan is fully prepared to make his upcoming film "King" special. Shooting for the film "King" is in its final stages - Director Siddharth Anand is fully prepared -** Shah Rukh Khan's next film, "King," begins in 2023. His upcoming film, "King," is being eagerly awaited by fans. Latest updates on "King" are frequently released. Now, news is coming that the makers of "King" are planning something special and are considering a sequence never seen before in the 100-year history of cinema. Let's find out the full story in this article. Special preparations for "King" - Recently, reports surfaced that actress Deepika Padukone, who is seven months pregnant, is wrapping up work on her films before going on maternity leave. While he's busy completing action scenes for the film "Raaka" with Allu Arjun, the final schedule of "King" is also ready to be shot. The remaining portion of "King" will now be filmed abroad. According to sources, the team will visit some countries in South America to find the final locations. The entire unit will return there next month to complete shooting. Shah Rukh and Siddharth wanted a location for the sequence that had never been seen before on the big screen. Based on the makers' vision, such a sequence would have never been created in the 100-year history of cinema. The final schedule of the film is one of the most important sequences in the guru-disciple story. Shah Rukh and his daughter Suhana will be seen acting on the big screen for the first time in "King." The makers have already announced the release date of "King," starring Shah Rukh Khan. King will be released in theaters worldwide on December 24, 2026, coinciding with Christmas this year. The film King is also being discussed because Shah Rukh's daughter Suhana Khan will be seen on the big screen for the first time as an actress